हिन्दी प्रादेशिक समाचार

आकाशवाणी चंडीगढ

(तिथि 26 अक्तूबर 2025, समय 13:05 (05 मिनट)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि □ूरा देश उत्सव की भावना में डूबा हुआ है और चल रहे छठ महा□र्व में श्रद्धा, स्नेह तथा □रं□रा का संगम देखने को मिल रहा है। श्री मोदी आज आकाशवाणी से मन की बात कार्यक्रम में देश विदेश के लोगों से अ□ने विचार साझा कर रहे थे।

उन्होंने छठ के दौरान महिलाओं के व्रत रखने के समर्□ण और निष्ठा को प्रेरणादायक बताया।श्री मोदी ने कहा कि उन्होंने हाल ही में सभी नागरिकों को एक □त्र लिखा था। इसमें उन्होंने इस वर्ष के त्योहारों को और अधिक जीवंत बनाने वाली देश की उ□लब्धियों का उल्लेख किया था। प्रधानमंत्री ने बताया कि इसके उत्तर में कई नागरिकों ने उन्हें संदेश भेजे हैं। प्रधानमंत्री ने वस्तु और सेवा कर - जीएसटी बचत उत्सव को लेकर लोगों में उत्साह □र खुशी व्यक्त की।

श्री मोदी ने कहा कि ऑ□रेशन सिंदूर ने प्रत्येक भारतीय को गौरवान्वित किया है। प्रधानमंत्री ने मन की बात में, स्वच्छता के प्रयासों से संबंधित देश के विभिन्न शहरों की कुछ प्रेरक कहानियों का उल्लेख भी किया। श्री मोदी ने बेंगलुरू की झीलों को नया जीवन देने के लिए अभियान शुरू करने वाले क□िल शर्मा का उदाहरण दिया। प्रधानमंत्री कहा कि ये प्रेरणादायक उदाहरण दर्शाते हैं कि जब लोग दृढ़ निश्चयी होते हैं तो □रिवर्तन अवश्य होता है। सरदार वल्लभभाई □टेल की जयंती का जिक्र करते हुए श्री मोदी ने सभी से एकता दौड़ में शामिल होने का आह्वान किया।

श्री मोदी ने कहा कि इस अवसर □र प्रत्येक वर्ष गुजरात के एकता नगर में 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के □ास विशेष समारोह आयोजित किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि इस अवसर □र एकता दिवस □रेड में भारतीय कुत्तों की क्षमताओं का एक बार फिर प्रदर्शन

किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने लोगों से इस □रेड को ज़रूर देखने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री ने भारत के राष्ट्रीय गीत - वंदे मातरम की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि यह देशभक्ति शब्दों से □रे एक भावना है।

श्री मोदी ने कहा वंदे मातरम की रचना बंकिम चंद्र चट्टो□ाध्याय ने सदियों की गुलामी से कमजोर भारत में नई जान फूंकने के लिए की थी। वंदे मातरम भले ही 19वीं शताब्दी में लिखा गया हो, लेकिन इसकी आत्मा भारत की हज़ारों साल □ुरानी अमर चेतना से जुड़ी है। श्री मोदी ने सभी से वंदे मातरम के महिमामंडन के लिए प्रयास करने और हैशटैग वंदेमातरम 150 के साथ सुझाव भेजने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि संस्कृति जगत और सोशल मीडिया ने संस्कृत को नया जीवन दिया है। उन्होंने संस्कृत से जुड़े रोचक कार्य करने वाले लोगों के उदाहरण दिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि एक समय में यह संचार की भाषा थी। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्य□ूर्ण है कि गुलामी के दौर में और आज़ादी के बाद भी संस्कृत की लगातार उ□ेक्षा की गई।

****